Dr. Priti Ranjan
H. D. Jain College (Ara)
B. A Part - III
Paper - III
Topic - Mahammad Ghazni Part - II

(4)

**मथुरा पर आक्रमण**

1018 ईस्वी में उसने मथुरा नगर पर धावा बोला। यहाँ अनेक भव्य एवं प्रसिद्ध मन्दिर थे। महमूद ने अनेक भव्य मन्दिरों को ध्वस्त किया तथा लूट में अतुल धन सम्पत्ति प्राप्त की।

**कन्नौज पर आक्रमण**

यहाँ से उसने कन्नौज को प्रस्थान किया। और ~~1018~~ 1019 ~~ई~~ में फिर से कन्नौज पर आक्रमण किया। प्रतिहार शासक राज्यपाल भाग खड़ा हुआ तथा महमूद ने बड़ी आसानी से नगर पर अधिकार कर लिया। उसकी सेना ने नगर में भारी लूट-पाट एवं कत्लेआम किया। यहाँ से भी उसे बहुत बड़ी सम्पत्ति प्राप्त हुई। मथुरा और कन्नौज से अतुल सम्पत्ति लेकर वह गजनी लौट गया।

**चन्देल शासकों के साथ संघर्ष**

कन्नौज पर अधिकार करने के बाद महमूद ने चन्देल के शासक विद्याधर पर 1019 ई० में आक्रमण किया। ~~किन्तु दोनों के बीच बाद में संधि हो गयी।~~

**कालिंजर पर आक्रमण**

1020 ईस्वी में चन्देलों की शक्ति को पूरी ~~तरह~~ तरह कुचलने के उद्देश्य से महमूद ने पुनः कालिंजर पर आक्रमण किया। उसने दुर्ग का घेरा डाला। दीर्घकालीन घेरे के बाद भी जब उसे सफलता नहीं मिली तब उसने चन्देल नरेश से सन्धि कर ली। उसने महमूद को 300 हाथी उपहार में दिये जिन्हें लेकर वह गजनी लौट गया।

**पंजाब पर अधिकार**

1021 ई० में पंजाब को अपने साम्राज्य में मिला लिया और उसका अभिन्न अंग बना लिया।

**सोमनाथ पर आक्रमण**

इन सभी अभियानों में सोमनाथ के मंदिर पर 1025-26 ई० में किया गया आक्रमण सर्वाधिक प्रसिद्ध है।

सोमनाथ पर आक्रमण

इन सभी अभियानों में सोमनाथ के मंदिर पर 1025-26 ई० में किया गया, आक्रमण सर्वाधिक प्रसिद्ध है। यह मंदिर गुजरात में समुद्र तट पर स्थित अपनी अपार सम्पत्ति के लिए प्रसिद्ध था। महमूद ने सोमनाथ के गढ़ का घेरा डाल दिया तथा बिना किसी कठिनाई के उसमें प्रवेश पाने में सफल रहा। इस मंदिर को लूटते समय महमूद ने लगभग 50,000 ब्राह्मणों एवं हिन्दुओं का कत्ल कर दिया। भगवान सोमनाथ की मूर्ति टुकड़े २ कर दी गयी तथा उसे गजनी, मक्का और जामी मस्जिदों की सीढ़ियों में चिनाई के निमित्त भेज दिया गया, महमूद को बहुत अधिक हीरे, जवाहरात, तथा स्वर्णराशि लूट में प्राप्त हुई। यह धनराशि लगभग 20 लाख दीनार की थी।

जाटों पर आक्रमण

जब वह सोमनाथ की मंदिरों की धन लेकर जब गजनी जा रहा था, तो मार्ग पर ही जाटों ने उसकी सेना पर आक्रमण किया तथा कुछ सम्पत्ति लूट लिया किन्तु महमूद सकुशल गजनी पहुँच गया।

निष्कर्ष :-

महमूद ने भारत पर ~~अनेक~~ 17 बार आक्रमण किया और धीरे-2 अपने जीत की सुगंध पूरे भारत में फैला दी। उसे विजय माला अपने गले में डालने का अवसर मिला, जिसका उसने भरपूर फायदा उठाया। 17 बार आक्रमण के बीच उसकी किस्मत इधर-उधर होते-2 फिर उसकी ओर ही झुक गयी। वह पूरे धैर्य के साथ इन युद्धों में तटस्थ रहा, उन्होंने खुद को एक नये रूप में पेश किया, जिसने गजनी के छोटे से राज्य को विशाल साम्राज्य में बदल दिया।

(6)

उसका उद्देश्य भारत में सिर्फ ~~तुर्की~~ इस्लाम धर्म राज्य स्थापित करना ही नहीं था, बल्कि वह तो मूर्तियों को नष्ट करने तथा सम्पत्ति प्राप्त करने की इच्छा से ~~यहाँ~~ यहाँ आया था। उसे अपने दोनों उद्देश्यों में सफलता मिली। नगरकोट कन्नौज मथुरा और सोमनाथ से उसने खूब ~~सोना~~ सोना-चाँदी लूटा, लेकिन इसके साथ ही उसने भारत पर अपना प्रभाव भी छोड़ा।